एम0ए0 पत्रकारिता एवं जनसंचार

इस पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष की होगी। प्रथम वर्ष के अन्त में पूर्वार्द्ध परीक्षा होगी और द्वितीय वर्ष के अन्त में उत्तरार्द्ध परीक्षा होगी। पूर्वार्द्ध में चार सैद्धांतिक प्रश्न–पत्रों की परीक्षा होगी और 'व्यावहारिक प्रशिक्षण का एक लिखित विवरण पूर्वार्द्ध की परीक्षा से पूर्व जमा करना होगा। इसकी मौखिक परीक्षा भी होगी। इसी तरह उत्तरार्द्ध में चार सैद्धांतिक प्रश्न–पत्रों की परीक्षा व एक व्यावहारिक प्रस्तुति का मूल्यांकन होगा। पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध के कुल मिलाकर 900 पूर्णांक होंगे। पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध परीक्षाओं के लिए उत्तीर्णांक सभी प्रश्न पत्रों के समुच्चय अंको का 36 प्रतिशत रहेगा। परन्तु प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 25 प्रतिशत अंक प्राप्त करने आवश्यक होगें, अन्यथा परीक्षार्थी को अनुत्तीर्ण घोषित कर दिया जाएगा। सभी सफल परीक्षार्थियों को पूर्वार्द्ध और उत्तरार्द्ध दोनों परीक्षाओं के प्राप्तांकों के आधार पर निम्नलिखित विधि से श्रेणी प्रदान की जाएगी।

प्रथम श्रेणी 60 प्रतिशत, द्वितीय श्रेणी 48 प्रतिशत एवं तृतीय श्रेणी 36 प्रतिशत। 48 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले स्नातक ही प्रवेश पाने के पात्र होंगे। प्रश्न–पत्रों के उत्तर केवल हिन्दी माध्यम से लिखने होंगे।

एम0ए0 पत्रकारिता एवं जनसंचार पूर्वार्द्ध एवं उत्तरार्द्ध में सभी प्रश्न–पत्रों के साथ छठे कालांश के रूप में प्रतिसप्ताह एक कालांश व्यावहारिक ज्ञान एवं व्यावहारिक प्रस्तुति के लिए निर्धारित होगा।

पूर्वार्द्ध परीक्षा 2016

प्रश्न–पत्र पूर्णांक : 450

		प्रति सप्ताह व्याख्यान	पूर्णांक	परीक्षा अवधि
प्रथम	संचार एवं पत्रकारिता की अवधारणा	6 कालांश	100	3 घण्टे
द्वितीय	तन्त्र एवं कार्य –पद्धति	6 कालांश	100	3 घण्टे
तृतीय	भारतीय प्रेस कानून, पत्रकारिता की आचार–संहिता और संबंधित संगठन	6 कालांश	100	3 घण्टे
चतुर्थ	हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास	6 कालांश	100	3 घण्टे
पंचम	व्यावहारिक प्रशिक्षण का लिखित विवरण परीक्षा से पूर्व जमा कराना होगा।	मूल्यांकन व मौखिकी के लिए 25+25 = 50		

उत्तरार्द्ध परीक्षा, 2016

	प्रश्न – पत्र	प्रतिसप्ताह व्याख्यान	पूर्णांक	परीक्षा अवधि
प्रथम	समाचार–संकलन एवं लेखन	6 कालांश	100	3 घण्टे
द्वितीय	सम्पादन–कला और रूप–सज्जा	6 कालांश	100	3 घण्टे
तृतीय	श्रव्य–दृश्य जनसंचार माध्यम	6 कालांश	100	3 घण्टे
चतुर्थ	जनसम्पर्क और पत्रकारिता के विविध आयाम	6 कालांश	100	3 घण्टे
पंचम	व्यावहारिक प्रस्तुति का मूल्यांकन व मौखिकी		25+25 = 50	

कुल पूर्णांक : 450 पूर्वार्द्ध + 450 उत्तरार्द्ध = 900

एम0ए0 पूर्वार्द्ध परीक्षा, 2016

प्रथम प्रश्न–पत्र
संचार एवं पत्रकारिता की अवधारणा

इकाई 1 संचार की परिभाषा, तत्त्व, प्रकृति
संचार की विभिन्न प्रक्रियाएँ (मॉडल) फीडबैक
संचार का अवरोध
संचार के प्रकार एवं इनके लक्षण
(1) अन्तर वैयक्तिक संचार
(2) समूह संचार
(3) जनसंचार
जनसंचार के विभिन्न माध्यम : परिचय एवं महत्त्व

इकाई 2 संचार सत्ता एवं जनमत
संचार और सत्ता के अन्तः संबंध
संचार एवं राजनीतिक सत्ता
संचार एवं जनमत

इकाई 3 पत्रकारिता : परिभाषा, उद्देश्य, क्षेत्र एवं प्रभाव, पत्रकारिता के दायित्व, पत्रकारों की आचार संहिता, पत्रकारिता विज्ञान या कला, पत्रकारिता का साहित्य एवं समाज से संबंध

इकाई 4 पत्रकारिता के प्रकार : खोजी पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता, साहित्यिक पत्रकारिता, विज्ञान एवं प्राविधिक पत्रकारिता, व्यापारिक पत्रकारिता, स्वतन्त्र पत्रकारिता, स्तम्भलेखन, विश्लेषणात्मक पत्रकारिता, खेल पत्रकारिता एवं ग्रामीण पत्रकारिता

इकाई 5 पत्रकारिता के प्रकार्य (Functions)
पत्रकारिता और पत्रकारिता के आदर्श, अच्छे पत्रकार के गुण
पत्रकारिता : मिशन या व्यवसाय
पत्रकारिता की विभिन्न समस्याएँ एवं उसका भविष्य

अंक – विभाजन : पूर्णांक– 100

(क) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, कुल दस लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) $10x2 = 20$ अंक

(ख) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न हल करते हुए कुल पाँच प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) $5x7 = 35$ अंक

(ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न, कुल पाँच प्रश्न, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे (शब्द सीमा 500 शब्द) $3x15 = 45$ अंक

सहायक पुस्तकें :

चण्डेलकर, रा.र : आधुनिक पत्रकार कला, ज्ञानमण्डल, वाराणसी
रेलिण्ड ई. वुल्सले : भारतीय पत्रकार कला, ज्ञानमण्डल, वाराणसी
त्रिपाठी, कमलापति एवं टंडन, पुरुषोत्तम दास : पत्र और पत्रकार, ज्ञानमण्डल, वाराणसी
वाजपेयी, अम्बिका प्रसाद : समाचारपत्र कला
शुक्ल, विष्णुदत्त : आधुनिक पत्रकार कला, भाग 1 और 2
Wools and Camb Bell : Exploring Journalism, Prentice Hall, Engle Wool Cliffs. N.J. U.S.A
भानावत, संजीव : पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, चौड़ा रास्ता, जयपुर

द्वितीय प्रश्न–पत्र
तंत्र एवं कार्य पद्धति

इकाई 1 स्वामित्व एवं प्रबन्ध तंत्र : स्वामी एवं सम्पादक के संबंध, पत्र की नीति का निर्धारण, विभिन्न विभागों का समन्वय

इकाई 2 सम्पादकीय तंत्र : सम्पादक, उपसम्पादक एवं समाचार–सम्पादक के गुण एवं कार्य

इकाई 3 समाचार–संग्रह तंत्र : संवाददाता, संवाददाता की परिभाषा, योग्यता, कार्य, समाचार प्रेषण के तरीके, ई–मेल, फैक्स, मोडम, इण्टरनेट उपग्रह संचार

इकाई 4 मुद्रण तंत्र : कम्पोजिंग, मुद्रण के प्रकार, मुद्रण यंत्र, मुद्रण की प्रक्रिया, पृष्ठ–निर्माण

इकाई 5 प्रचार एवं प्रसार तंत्र

(क) विज्ञापन : परिभाषा, उद्देश्य, आवश्यकता, विज्ञापन–अभिकल्पना, विज्ञापन कॉपी एवं उसकी प्रस्तुति, विज्ञापन का व्यवस्थापन–सिद्धान्त एवं कार्य, विज्ञापनों के प्रकार–सज्जित, वर्गीकृत, निर्दिष्ट स्थान, अनुबन्धित विज्ञापन

(ख) प्रसार विभाग : अभिप्राय, प्रसार प्रबन्ध की संरचना और कार्य–प्रणाली, कार्य–विभाजन–फील्ड स्टाफ एवं इनर स्टाफ, विपणन के सिद्धान्त एवं तत्त्व, मूल्य निर्धारण, सम्प्रेषण एवं प्रचार वितरण एवं बिक्री

अंक – विभाजन : पूर्णांक – 100

(क) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, कुल दस लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) $10x02 = 20$ अंक

(ख) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न हल करते हुए कुल पाँच प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) $5x7 = 35$ अंक

(ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न, कुल पाँच प्रश्न, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे (शब्द सीमा 500 शब्द) $3x15 = 45$ अंक

सहायक पुस्तकें :

शेवडे अनन्तगोपाल : समाचार पत्र व्यवस्थापन
मिश्र, हेरम्ब : सम्पूर्ण पत्रकारिता
जैन, सुकुमाल : समाचार–पत्रों का संगठन और प्रबन्ध
वैदिक, वेदप्रताप : पत्रकारिता के विविध आयाम
श्रीवास्तव, पन्नालाल : पत्रकार प्रबंधकला
भानावत, संजीव : समाचार माध्यमों का संगठन एवं प्रबंध, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर
कोठारी, गुलाब : समाचार पत्र प्रबंधन
हटवाल एकेश्वर : विज्ञापन कला

तृतीय प्रश्न–पत्र

भारतीय प्रेस कानून, पत्रकारिता की आचार संहिता और संबंधित संगठन

इकाई 1 प्रेस कानून : आवश्यकता, परिचय और इतिहास

इकाई 2 प्रेस कानून : भारतीय संविधान एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, पत्रकारों की आचार संहिता, कॉपीराइट एक्ट 1957, लॉ ऑफ टॉर्टस, मानहानि एवं न्यायालय–अवमानना–कानून, प्रेस कौंसिल एक्ट, संसदीय विशेषाधिकार, प्रेस पंजीकरण एक्ट 1967, पुरस्कार एवं प्रतियोगिता एक्ट 1955, औषध एवं चमत्कारिक उपचार एक्ट 1950 (आक्षेपणीय विज्ञापन) भारतीय सरकारी गोपनीयता एक्ट 1923, युवकों के लिए हानिप्रद प्रकाशन अधिनियम एक्ट 1956, समाचार–पत्र मूल्य एवं पृष्ठ कानून

इकाई 3 प्रेस आयोग और प्रेस परिषद्

इकाई 4 पत्रकारिता की आचार संहिता
- आवश्यकता और महत्त्व
- परम्परा और परिप्रेक्ष्य
- प्रेस की आचार संहिता
- आचार संहिता और विभिन्न दबाव

इकाई 5 संगठन
- श्रमजीवी पत्रकारों के संगठन
- गैर पत्रकारों के संगठन
- संपादकों के संगठन
- वेतन मण्डल

अंक – विभाजन : पूर्णांक – 100

(क) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, कुल दस लघूतरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) $10x2 = 20$ अंक

(ख) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न हल करते हुए कुल पाँच प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) $5x7 = 35$ अंक

(ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न, कुल पाँच प्रश्न, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे (शब्द सीमा 500 शब्द) $3x15 = 45$ अंक

सहायक पुस्तकें

भानावत, संजीव : प्रेस कानून और पत्रकारिता, सिद्ध श्री प्रकाशन, सी–235 'ए' दयानन्द मार्ग, तिलक नगर, जयपुर

वैदिक, वेदप्रताप : हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम

Bradly, D. : The News Paper, its Place in Democracy

Bumus, Margret : The Indian Press

Agrawal, Sushil : Press, Public Opinion and Government of India, A.P. Bombay

Report of the Press Commission, Part I & II

Kumar, Hemendra : The News Paper in India

Bird, L.G. : The Press and Society

चतुर्थ प्रश्न–पत्र
हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास

इकाई 1 भारतीय पत्रकारिता का संक्षिप्त परिचय, इंग्लैण्ड, जर्मनी, फ्रांस, इटली, अमेरिका, रूस एवं चीन में पत्रकारिता।

इकाई 2 भारतीय पत्रकारिता का इतिहास : आरम्भिक काल से प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857 ई0) तक।

भारत में समाचार पत्र प्रकाशन की परिस्थितियाँ, जेम्स आगस्ट्स हिक्की एवं सर जेम्स बकिंघम का पत्रकारिता में योगदान। भारत में भाषायी समाचार पत्रों का विकास । राजा राममोहन राय के पत्र एवं पत्रकारिता में उनका योगदान, पं0 जुगल किशोर शुक्ल एवं 'उदन्त मार्तण्ड', 'समाचार सुधा वर्षण', प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में पत्रकारों की भूमिका।

इकाई 3 उन्नीसवीं शताब्दी के छठे दशक से बीसवीं शताब्दी के दूसरे दशक तक की पत्रकारिता।

भारतेन्दुयुगीन हिन्दी पत्रकारिता, महावीर प्रसाद द्विवेदीयुगीन पत्रकारिता, स्वदेशी और स्वराज्य की चेतना के स्वर

निम्नलिखित पत्रकारों के समाचार पत्र एवं उनके द्वारा पत्रकारिता में किया गया योगदान : सुरेन्द्रनाथ बनर्जी, लोकमान्य तिलक, मदनमोहन मालवीय, बालमुकुन्द गुप्त।

कांग्रेस की स्थापना और पत्रकारों की भूमिका। 'बंग–भंग' आन्दोलन में पत्रकारों की भूमिका।

इकाई 4: बीसवीं शताब्दी के तीसरे दशक से स्वतंत्रता प्राप्ति तक की पत्रकारिता: पत्रकार महात्मा गाँधी तथा गाँधी युग की पत्रकारिता की विशेषताएँ। निम्नलिखित समाचारपत्रों एवं पत्रकारो के विशेष संदर्भ में : 'आज', 'प्रताप', 'कर्मवीर', 'प्रभा', 'भारत मित्र', 'विशाल भारत', पराड़कर, गणेश शंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी, माधवराव सप्रे एवं अम्बिका प्रसाद वाजपेयी।

इकाई 5: स्वातंत्र्योत्तर पत्रकारिता : प्रमुख राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक समाचार पत्रों का अध्ययन। साहित्यिक पत्रकारिता : प्रमुख पत्र एवं पत्रकार

अंक – विभाजन : पूर्णांक – 100

(क) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, कुल दस लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10x2 = 20 अंक

(ख) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न हल करते हुए कुल पाँच प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7 = 35 अंक

(ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न, कुल पाँच प्रश्न, जिनमें से किन्हीं तीन के उत्तर देने होंगे (शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें :

वैदिक, वेदप्रताप : हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम
राधाकृष्ण दास : हिन्दी भाषा के सामयिक पत्रों का इतिहास
सुराना, भंवरलाल : हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम
लाल, बंशीधर : भारतीय स्वतंत्रता और पत्रकारिता
Natrajan, S : History of Press in India
Mishra, Mohit : History of Indian Journalism
Kumar, Hemendra : The News Paper in India.
Narrajan, J, : History of Indian Journalsim
गौड़, हरप्रकाश : सरस्वती और राष्ट्रीय जागरण
भानावत, संजीव : पत्रकारिता का इतिहास एवं जनसंचार माध्यम, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन्स, चौड़ा रास्ता, जयपुर
मिश्र, कृष्ण बिहारी : हिन्दी पत्रकारिता
तिवारी, अर्जुन : हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास
तिवारी, रामचन्द्र : स्वाधीनता के बाद हिन्दी पत्रकारिता का विकास
शर्मा, रामविलास, भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास–परम्परा

पंचम प्रश्न – पत्र
व्यावहारिक प्रशिक्षण

प्रत्येक छात्र को विभाग द्वारा स्वीकृत किसी समाचार पत्र, जनसंपर्क, विज्ञापन, दृश्य–श्रव्य–माध्यम, आकाशवाणी, दूरदर्शन आदि के कार्यालय में से किसी एक में चार सप्ताह का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा तथा प्राप्त प्रशिक्षण का लिखित विवरण लगभग 25–30 (टंकित) पृष्ठों में प्रस्तुत करना होगा। यह विवरण सम्बद्ध संस्था के सक्षम अधिकारी द्वारा प्रमाणित होना चाहिए। टंकित एवं प्रमाणित प्रस्तुति पूर्वार्द्ध की परीक्षा प्रारम्भ होने से पूर्व जमा करानी होगी जिसे परीक्षा अनुभाग को भेजा जाएगा। इसके मूल्यांकन व मौखिकी हेतु $25 + 25 = 50$
अंक नियत हैं। इसके मूल्यांकन व मौखिक–परीक्षा का कार्य एक आन्तरिक एवं एक बाह्य– दोनों परीक्षकों के द्वारा किया जाएगा।

एम0ए0 उत्तरार्द्ध परीक्षा 2016

प्रथम प्रश्न–पत्र
समाचार संकलन एवं लेखन

इकाई 1 समाचार – परिभाषा, तत्त्व और प्रकार :
समाचार की परिभाषा
समाचार के तत्त्व
समाचार लेखन के विविध प्रकार : सामरिक समाचार
विकासात्मक समाचार, आर्थिक समाचार, समस्यापरक समाचार

इकाई 2 समाचार कक्ष : स्वरूप और संगठन (समाचार–पत्रों का)
समाचार डेस्क : कार्य–प्रणाली
समाचार के स्त्रोत – चयन–प्रक्रिया
समाचार सम्पादन : लेखन और प्रस्तुति
समाचारों की भाषा
मुख्यांश (लीड तथा इण्ट्रो), शीर्षक
समय सीमा (डेडलाइन), प्रकाशन रोको (एम्बार्गो)

इकाई 3 संवाददाता : उत्तरदायित्व, अधिकार एवं भेद
प्रेस कांफ्रेंस व साक्षात्कार

इकाई 4 संवाद समिति –
अवधारणा, उपयोगिता
कार्य–प्रणाली
भारत की संवाद समितियाँ
प्रमुख अन्तर्राष्ट्रीय समाचार समितियाँ

इकाई 5 (क) विशिष्ट रिपोर्टिंग
विधानसभा, संसद एवं राजनीतिक रिपोर्टिंग
सनसनीखेज और पीत पत्रकारित
अपराध, सांस्कृतिक व साहित्यिक रिपोर्टिंग
पुस्तक समीक्षा व साहित्यिक रिपोर्टिंग
पुस्तक समीक्षा व आवरण कथा

(ख) फीचर : परिभाषा, विशेषताएँ, स्वरूप और प्रकार, फोटो फीचर, रेडियो फीचर, दूरदर्शन फीचर, फीचर के लिए विषयवस्तु का चयन

अंक विभाजन : 100

(क) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, कुल दस लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) $10x2 = 20$ अंक
(ख) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न हल करते हुए कुल पॉच प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) $5x7 = 35$ अंक
(ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न, कुल पाँच प्रश्न, जिनमें से किन्ही तीन के उत्तर देने होंगे (शब्द सीमा 500 शब्द) $3x15 = 45$ अंक

सहायक पुस्तकें :

खाडिलकर, राधकृष्ण रघुनाथ : आधुनिक पत्रकार कला
पाण्डेय, छविनाथ : पत्रकारिता सन्दर्भ कोश
ओझा, वेंकट : हिन्दी समाचार निर्देशिका
शर्मा, श्यामसुन्दर : समाचार मुद्रण और साजसज्जा
Burnus Margret : The Indian Press
भानावत, संजीव : समाचार लेखन के सिद्धांत और तकनीक, युनिवर्सिटी पब्लिकेशन, चौड़ा रास्ता, जयपुर
टण्डन, प्रतापनारायण : (सं0) वृहत् हिन्दी पत्रकारिता कोश प्रकाशक : गोमती सुरभि कार्यालय, बी 4/1, वाल्दा कॉलोनी, निशातगंज, लखनऊ
प्रभाकर, मनोहर : फीचर लेखन
चंढ्ढा, सविता : नई पत्रकारिता और समाचार लेखन

द्वितीय प्रश्न–पत्र
सम्पादन–कला और रूप–सज्जा

इकाई 1 सम्पादन–कला परिभाषा सिद्धान्त और स्वरूप, सम्पादकीय लेखन, सम्पादन का प्रतियोगात्मक पहलू

इकाई 2 सम्पादन के प्रतिमान
विचारधारा और दृष्टिकोण का निर्माण
निष्पक्षता और नैतिकता
तथ्यान्वेषण : वस्तुपरकता और सत्यनिष्ठा
मानवीय संवेदनशीलता

इकाई 3 सम्पादकीय विभाग : स्वरूप और संगठन
कार्य–प्रणाली
संरचना और वर्गीकरण
अन्य विभागों से संबंध
संदर्भ सामग्री

इकाई 4 सम्पादक और सहकर्मी
सम्पादक
सहायक सम्पादक
ब्यूरो प्रमुख : विशेष संवाददाता
उपसम्पादक
विशिष्ट पृष्ठों के सम्पादक

इकाई 5 रूप–सज्जा
पृष्ठ विन्यास : सिद्धान्त और अवधारणा
मुखपृष्ठ : सम्पादकीय पृष्ठ और अन्य पृष्ठों की सज्जा,
विशिष्ट पृष्ठों की सज्जा, शीर्षक और प्रस्तुति, प्रूफ संशोधन
दृश्य सामग्री : फोटोग्राफ, कार्टून : चयन, सम्पादन और प्रस्तुति

अंक विभाजन : 100

(क) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, कुल दस लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10x2 = 20 अंक
(ख) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न हल करते हुए कुल पॉच प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7 = 35 अंक
(ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न, कुल पाँच प्रश्न, जिनमें से किन्ही तीन के उत्तर देने होंगे (शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें :

भानावत संजीव : सम्पादन कला, यूनिवर्सिटी पब्लिकेशन, चौड़ा रास्ता जयपुर
नरायण, के0पी, : सम्पादन कला
पुरोहित रामप्रताप : 19 वीं शताब्दी में पत्रकारिता के माध्यम
दर, कृष्णप्रसाद : आधुनिक छपाई, इलाहाबाद जॉ जरलन प्रेस, इलाहाबाद
Agrawal, Sushil : Press, Puvlix Opinion and Government of India
चतुर्वेदी प्रेमनाथ : सम्पादन कला

तृतीय प्रश्न–पत्र
श्रव्य–दृश्य जनसंचार माध्यम

इकाई 1 जनसंचार के श्रव्य–दृश्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यम : इनकी प्रकृति, विशिष्टताएँ एवं सामाजिक परिवर्तन में भूमिका
रेडियो एवं टी0वी0 का उद्‌भव एवं विकास (भारत के संदर्भ में)
आकशवाणी एवं दूरदर्शन की प्रसारण–संबंधी विभिन्न समितियों की संस्तुतियाँ
सरकार की मीडिया नीति व विभिन्न चुनौतियाँ

इकाई 2 आकाशवाणी एवं दूरदर्शन का प्रशासनिक इंजीनियरिंग एवं कार्यक्रम संबंधी संगठन
नेटवर्क – स्टूडियो से ट्रांसमीटर और रिसीवर तक के कार्य एवं मुख्य उपकरणें का संक्षिप्त परिचय
फीडबैक (श्रोता/दर्शक अनुसंधन केन्द्र, – महत्त्व व प्रमुख समस्याएँ)
विभिन्न टी0वी0 चैनलों की दस्तक, उपग्रह संचार का योगदान

इकाई 3 आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के समाचार–कक्षों की संरचना एवं इनका अन्तर, समाचार स्रोत संकलन, सम्पादन एवं लेखन समाचार–पत्रों के अन्तरराष्ट्रीय प्रादेशिक समाचार बुलेटिनों का प्रारूप
विशेष बुलेटिन, चुनाव बुलेटिन, न्यूज ट्रेक एवं आँखों देखा हाल (सीधा प्रसारण)
दूरदर्शन समाचारों में चित्र–सम्पादन

इकाई 4 आकाशवाणी एवं दूरदर्शन में विज्ञापन – लेखन एवं प्रस्तुति व समाचार –पत्रों के विज्ञापनों से अन्तर
दूरदर्शन/आकाशवाणी के विज्ञापनों की कॉपी लेखन एवं भाषा विज्ञापनों की व्यावसायिकता और समाज पर प्रभाव
दूरदर्शन/आकाशवाणी के विभिन्न कार्यक्रमों का लेखन
दूरदर्शन/आकाशवाणी के समाचार एवं अन्य कार्यक्रमों की भाषा

इकाई 5 फिल्म :
जनसंचार माध्यमों में फिल्मों का महत्त्व एवं समाज पर प्रभाव
भारत में फिल्मों का उद्‌भव एवं विकास
फिल्म संगठन, फिल्म सेन्सरशिप, फिल्म महोत्सव
फिल्मों के प्रकार (मनारंजनात्मक, व्यावसायिक, कला फिल्में, विज्ञापन फिल्में, बाल फिल्में, वृत्त–चित्र हॉरर फिल्में आदि
फिल्म पत्रकारिता एवं फिल्म समीक्षा

अंक विभाजन : 100

(क) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, कुल दस लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) $10x2 = 20$ अंक

(ख) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न हल करते हुए कुल पॉच प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) $5x7 = 35$ अंक

(ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न, कुल पाँच प्रश्न, जिनमें से किन्ही तीन के उत्तर देने होंगे (शब्द सीमा 500 शब्द) $3x15 = 45$ अंक

सहायक पुस्तकें :

विश्वकर्मा, रामबिहारी : आकाशवाणी
पचौरी, सुधीश : दूरदर्शन स्वायत्तता और पत्रकारिता
मूर्ति, जेम्स एस : दृश्य–श्रव्य सम्प्रेषण और पत्रकारिता
मैव फर्सन एण्ड टिम्फस : द ऑडियो विजुअल हैण्डबुक
लुथरा, एच0एल0 : ब्रॉकास्टिंग इन इण्डिया
वर्मा, केशवचन्द : शब्द की साख
जॉन फिस्के एण्ड जॉन हार्टले : रेडिग टेलीविजन
पाण्डेय, आशा : हिन्दी विज्ञापनों की भाषा
जेम्स, मेनेकी : हाउ टू रीड फिल्म्स
चढ्ढा मनमोहन : हिन्दी सिनेमा का इतिहास
रंगूनवाला, फिरोज : भारतीय चलचित्र का इतिहास
अग्रवाल, सुशील : प्रेस पब्लिक ऑपिन्यॅन एण्ड गवर्नमेन्ट
येमरिकन ग्रचोवनी : नई सूचना व्यवस्था अथवा मनोवैज्ञानिक युग

चतुर्थ प्रश्न–पत्र
जनसम्पर्क और पत्रकारिता के विविध आयाम

इकाई 1 जनसम्पर्क : परिभाषा, उद्देश्य एवं प्रमुख सिद्धान्त
जनसम्पर्क, प्रोपगेण्डा, प्रचार एवं विज्ञापन में अन्तर
विकासशील देशों में जनसम्पर्क का महत्तव, जनमत–निर्माण में उपादेयता
जनसम्पर्क अभियान व इसकी प्रमुख कठिनाइयॉ
जनसम्पर्क – व्यवसाय या लोकसेवा
भारत में जनसम्पर्क – उद्भव एवं विकास

इकाई 2 केन्द्रीय एवं राज्य – जनसम्पर्क विभाग : संगठन एवं कार्य – प्रणाली,
जनसम्पर्क कर्त्ता/जनसम्पर्क अधिकारी की योग्यता एवं उत्तरदायित्व,
सरकारी जनसमपर्क के विविध माध्यम (परम्परागत एवं आधुनिक)
सार्वजनिक एवं निजी प्रतिष्ठानों में जनसम्पर्क, जनम्पर्क की चुनौतियाँ

इकाई 3 कार्टून : अर्थ, स्वरूप एवं पत्रकारिता में इसका महत्त्व
कार्टून : उद्भव एवं विकास
हिन्दी व अन्य भाषाओं के प्रमुख कार्टूननिस्टों का परिचय (आर0के0 लक्ष्मण, मारियों मिराण्डों, काक, सुधीर तैलंग, राजेन्द्र, कदम कुट्टी, त्रिशंकु आदि)

इकाई 4 फोटो पत्रकारिता : अवधारणा
जनसंचार माध्यमों में फोटोग्राफी की भूमिका
फोटोग्राफी की तकनीक एवं चित्र–सम्पादन
फोटो फीचर
फोटोग्राफी का महत्त्व एवं प्रभाव

इकाई 5 नई विश्व सूचना और संचार व्यवस्था
सूचना साम्राज्यवाद की अवधारणा तथा राष्ट्रीय और सांस्कृतिक अस्मिता की समस्या
सूचना एकाधिकार के परिप्रेक्ष्य में विकासशील देशों की भूमिका (संदर्भ : नामीडिया, सार्क सूचना संगठन, न्यूज पूल आदि)

अंक विभाजन : 100

(क) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, कुल दस लघूत्तरी प्रश्न (शब्द सीमा 30 शब्द) 10x2 = 20 अंक

(ख) प्रत्येक इकाई से दो–दो प्रश्न, जिनमें से प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न हल करते हुए कुल पॉच प्रश्न (शब्द सीमा 250 शब्द) 5x7 = 35 अंक

(ग) प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न, कुल पाँच प्रश्न, जिनमें से किन्ही तीन के उत्तर देने होंगे (शब्द सीमा 500 शब्द) 3x15 = 45 अंक

सहायक पुस्तकें :

त्रिपाठी, कमलापति एवं टंडन, पुरूषोतमदास : पत्र और पत्रकार
प्रभाकर, मनोहर : राजस्थान में हिन्दी पत्रकारिता
मिश्र, हेरम्ब : पत्रकारिता – संकट और संत्रास
Agrawal, Sushil : Press Public Opinion and Government Bradley, D, : The News Paper, ts Place in Decocracy
गुप्त, बलदेवराज : भारत में जनसम्पर्क
झा, कालीदत्त : जनसम्पर्क
काक : कार्टून
एबन्स हैराल्ड : फोटो जर्नलिज्म
येमरिकन, ग्राचोवनी : नई सूचना व्यवस्था अथवा मनोवैज्ञानिक युग

पंचम प्रश्न–पत्र
व्यावहारिक प्रस्तुति

इस प्रश्न–पत्र के अनतर्गत परीक्षाओं को सैद्धान्तिक प्रश्न–पत्रों की परीखा प्रारम्भ होने से पूर्व समाचार–पत्र के नमूने के रूप में उसका लगभग आई पृष्ठों का (टेब्लाइड साईज में) एक हस्तलिखित प्रारूप प्रस्तुत करना होगा जिसे परीक्षा अनुभाग को भेजा जाएगा। समाचार पत्र का यह नमूना नितांत मौलिक होगा। इसके मूल्यांकन एवं मौखिक परीखा का कार्य एक आंतरिक एवं एक बाह्य – दोनों परीक्षकों द्वारा किया जाएगा। समाचार पत्र का मूल्यांकन निम्नलिखित आधार पर होगा :–

इकाई 1 समाचार– लेखन
इकाई 2 रूप–सज्जा
इकाई 3 सम्पादकीय
इकाई 4 स्तम्भ–लेखन
इकाई 5 विज्ञापन–प्रस्तुति

इस प्रस्तुति के मूल्यांकन एवं मौखिकी हेतु 25+25 = 50 अंक निर्धारित है।

नोट : एम0ए0 उत्तरार्द्ध पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को अपने निजी व्यय पर एक शैक्षणिक भ्रमण (तीन से सात दिवस तक) पर जाना अनिवार्य होगा।